श्री शेखर सरन का पार्श्वचित्र (प्रोफाइल)

श्री शेखर सरन सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीच्यूट लिमिटेड जो पूरे देष में कोयला और खनिज गवेषण तथा परामर्शी कंपनियों में से एक बड़ी कंपनी है, के अध्यक्ष-सह-प्रबंधन निदेशक हैं। श्री सरन उत्पादन और उत्पादकता में नए मानकों की स्थापना में खानों के परिदृष्य को यंत्रीकृत खान डेवलपर और स्वरूप बदलने वाले के रूप में उद्योग को अपने अपूर्व सहयोग और नए रास्ते तलासने वाले के रूप में जाने जाते हैं।

उन्होंने जून, 2013 में निदेशक (तकनीकी) के रूप में सीएमपीडीआई में पदभार ग्रहण किया और कोल रिसोर्स डेवलपमेंट के कार्यों की देख-रेख की । उसके बाद दिसम्बर 2015 तक प्लानिंग एंड डिजाइन का कार्य संभाले। 1 जनवरी, 2016 को उन्होंने सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेषक का पदभार ग्रहण किया।

1981 बैच के श्री सरन ने डिपार्टमेंट ऑफ़ माइनिंग इंजीरियरिंग, इंस्टीच्यूट ऑफ़ टैकनोलजी, बनारस हिन्दी यूनिवर्सिटी (बीएचयू) वर्तमान में आईआईटी (बीएचयू) से स्नातक है। अपने बैच के टॉपर होने के कारण उन्हें एमजीएमआई से राबर्टन मेडल के साथ-साथ बीएचयू के गोल्ड मेडल से नवाजा गया। तदनन्तर वर्ष 2013-15 के दौरान, उन्होंने आईआईएम, राँची से अधिकारियों (पीजीईएक्सपी) के लिए प्रबंधन में पोस्ट-ग्रेजुएट प्रोगाम की डिग्री भी ली।

सीएमपीडीआई में पदभार ग्रहण करने से पूर्व उन्होंने ईस्टर्न जेट से सब एरिया मैनेजर के रूप में एसईटीएम के सोहागपुर, हसदेव और विश्रामपुर क्षेत्र, एजेंट से सीजीएम के रूप में ईसीएल के कुनुस्तोरिया, सतग्राम और सोदेपुर क्षेत्र तथा अंत में सीजीएम (पीएंडपी) के रूप में ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, मुख्यालय में कार्य किया। उन्हें विभिन्न अनुषंगी कंपनियों में बड़ी खुली खदान और भूमिगत खदान के प्रबंधन का व्यापक अनुभव है। जब वे एसईसीएल में कार्यरत थे तब उन्होंने रूफ बोल्टिंग /स्टील सपोर्ट का प्रयोग कर मैनुअल भूमिगत खान को यंत्रीकृत खान में बदला। उन्होंने विभिन्न सेमिनारों/कार्यशाआलों में बहुत सारे तकनीकी पेपर प्रस्तुत किए। वे 26 वर्षों से अधिक समय तक रेस्क्यू प्रषिक्षित सदस्य भी रहे तथा भूमिगत खानों में रेस्क्यू और रिकवरी आपरेषन में भी भाग लिया।

उन्होंने यू.के., जर्मनी, फ्रांस, नीदरलैंड, यूएस, कनाडा एवं स्वीटजर लैंड आदि जैसे विदेषों का अनेकों बार भ्रमण किया है। वे एक एनसीसी प्रमाण पर धारक और अच्छे खिलाड़ी भी हैं। उन्हें कोल माइनिंग प्रोडक्षन में इनोवेटिव टेक्नीक और अनोखे विचार वाला जाना जाता है। उन्हें कारपोरेट लाइफ ओर मानव संसाधन का विकास में इसकी सर्वोतमता में विष्वास है।

उनकी पसंद में कोल इंडिया इस तरह समाहित है कि वे कोल इंडिया में निदेशक मंडल की बैठक में हमेषा उनकी उपस्थिति रहती है।

वे 01.01.2016 से अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक है।

***